

पान, छत्र, सुगंधि, फूलमाला, फल सेज, और पादुकाएँ (खड़ाऊँ)

षोडशधा क्रि.वि. (तत्.) सोलह प्रकार का।

षोडश नायिका स्त्री. (तत्.) काव्य. नायिका भेद से वर्णित सोलह प्रकार की नायिकाएँ जैसे- 1. प्रवत्स्यत्पतिका 2. प्रोषितपतिका 3. आगतपतिका 4. संयुक्ता 5. वासकसज्जा 6. विराहोत्कंठिता 7. खंडिता 8. कलहान्तरिता 9. अभिसारिका 10. विप्रलब्धा 11. अन्यसम्भोग दुःखिता 12. विदग्धा 13. गुप्ता 14. लक्षिता 15. मुदिता 16. अनुशयाना।

षोडशपूजक वि. (तत्.) यथा विधि षोडशोपचार से देवपूजन करने वाला जैसे- पादय, अर्घ्य, आचमन आदि।

षोडशपूजन पुं. (तत्.) षोडशोपचार दे. षोडशोपचार।

षोडशभुजा वि. (तत्.) सोलह भुजाओं वाली देवी दुर्गा।

षोडशमातृका स्त्री. (तत्.) सोलह मातृदेवियाँ जिनका प्रत्येक मांगलिक कार्यक्रम में पूजन होता है, सोलह मातृका इस प्रकार हैं- 1. गौरी 2. पद्मा 3. शची 4. मेधा 5. सावित्री 6. विजया 7. जया 8. देवसेना 9. स्वधा 10. स्वाहा 11. माता 12. लोकमाता 13. धृति 14. पुष्टि 15. तुष्टि 16. आत्म (अपनी) कुलदेवता।

षोडश शृंगार पुं. (तत्.) नारी की साज-सज्जा के सोलह अंग, नारी का संपूर्ण शृंगार जैसे- 1. उबटन लगाना 2. स्नान 3. वस्त्र धारण करना 4. बाल सँवारना 5. अंजन लगाना 6. सिंदूर भरना 7. महावर लगाना 8. बिन्दी 9. ठोड़ी पर तिल बनाना 10. मेंहदी रचना 11. सुगंधित द्रव्यों का प्रयोग करना 12. अलंकार धारण करना 13. पुष्पहार पहनना 14. पान खाना 15. ओठ रंगना 16. मिस्सी लगाना।

षोडश संस्कार पुं. (तत्.) हिंदू धर्म में मानव के शास्त्रविहित गर्भाधान से लेकर मृत्यु तक होने वाले सोलह संस्कार जैसे- 1. गर्भाधान 2. पुंसवन 3. सीमन्तोन्नयन 4. जातकर्म 5. नामकरण 6. निष्क्रमण 7. चूड़ाकर्म 8. अन्नप्राशन 9. कर्णवेध 10. उपनयन 11. विद्यारंभ 12. वेदारंभ 13. केशान्त 14. समावर्तन 15. विवाह 16. अन्त्येष्टि।

षोडशांग वि. (तत्.) सोलह अंगों, भागों या प्रकारों वाला पुं. सोलह प्रकार के गंध द्रव्यों को

मिलाकर बनाया गया एक विशेष प्रकार का धूप, एक प्रकार का गंधद्रव्य।

षोडशांघ पुं. (तत्.) केकड़ा।

षोडशांशु पुं. (तत्.) शुक्र ग्रह।

षोडशात्मक पुं. (तत्.) सोलह गुणों वाली आत्मा।

षोडशावर्त पुं. (तत्.) शंख।

षोडशिक वि. (तत्.) 1. सोलह प्रकार का, सोलह अंगों वाला 2. जो सोलह की आयु वाला हो 3. जो सोलह से संबंध रखता हो।

षोडशी स्त्री. (तत्.) 1. सोलह वर्ष की स्त्री, तरुणी, नवयौवना 2. दस या बारह महाविद्याओं में से एक 3. प्रेतकर्म विशेष जो अन्त्येष्टि से दसवें या बारहवें दिन किया जाता है।

षोडशोपचार पुं. (तत्.) देवार्चन के सोलह अंग जैसे- 1. आवाहन 2. आसन 3. पादय 4. अर्घ्य 5. आचमन 6. मधुपर्क 7. स्नान 8. वस्त्राभरण 9. यज्ञोपवीत 10. गंध/चंदन 11. पुष्प 12. धूप 13. दीप 14. नैवेद्य 15. तांबूल 16. दक्षिणा टि. इन सोलह अंगों के विषय में कुछ ग्रंथों में मतांतर मिलता है।

षोढा अव्य. (तत्.) छह प्रकार से।

षोढा न्यास पुं. (तत्.) तंत्र. किसी मांगलिक कार्य में देवार्चन, संध्यावंदन आदि कर्मों में कर्ता या यजमान द्वारा मंत्र पढ़कर छह प्रकार से अपने अंगों का किया जाने वाला स्पर्श, अंगन्यास जैसे- हृदय, सिर, शिखा, बाहु, नेत्र, अस्त्राय फट्।

षोदन वि./पुं. (तत्.) छह दाँतो वाला पुं. छह दाँतो वाला बैल।

षोषरी स्त्री. (तत्.) खोखली, खाली।

षठीवन पुं. (तत्.) थूकने की क्रिया या भाव, थूक, लार, खरवार।

षठेव पुं. (तत्.) थूक।

षठेविता वि. (तत्.) थूकने वाला।

षठ्यूत वि. (तत्.) थूका हुआ।

षठ्यूति स्त्री. (तत्.) थूकने की क्रिया या भाव, थूकने की स्थिति।